

BULLET TRAIN PROJECT

Steel bridge launched over freight corridor in Vadodara, 7th in state



NHSRCL said that the launching of the bridge across two tracks of the freight corridor was completed on Tuesday, within 12 hours, with intermittent traffic blocks.

EXPRESS NEWS SERVICE

VADODARA, APRIL 9

WITH WORK on the Mumbai-Ahmedabad bullet train project underway, the National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Wednesday said that a 70-metre-long steel bridge crossing over the tracks of the Dedicated Freight Corridor Corporation of India (DFCCIL) on the outskirts of Vadodara is now complete.

The steel bridge is the seventh to be completed in the Gujarat stretch of the high-speed rail corridor project. NHSRCL said that the launching of the bridge across two tracks of the freight corridor was completed on Tuesday, within 12 hours, with intermittent traffic blocks.

The NHSRCL said, "These traffic blocks were essential to ensure the safety and precision of the bridge launch, which was carried out in phases to minimise disruption to freight services..."

Out of the total 28 steel bridges in the entire stretch between Mumbai and Ahmedabad, 17 will be located in Gujarat.

Calling it a "Make in India" steel bridge, the NHSRCL said,

"The construction of these seven steel bridges has utilised over 10,000 metric tonnes of steel, providing a significant boost to the steel industries in India. This 674 MT steel bridge of 13 m height and 14 m width has been fabricated at the workshop in Durgapur, West Bengal, and was transported on trailers to the site for installation. The bridge is launched using a 49-meter-long launching nose, which weighs around 204 metric tonnes."

The NHSRCL further said that the bridge fabrication utilised approximately 28,800 Tor-Shear Type High Strength (TTHS) bolts with C5 system (corrosion-resistant industrial category) painting and elastomeric bearings, all designed for a 100-year lifespan.

"The steel bridge was assembled at the site at a height of 18 m from the ground on temporary trestles and was pulled with an automatic mechanism, comprising two semi-automatic jacks, each of capacity of 250 tonne, using mac-alloy bars," the NHSRCL said.

The Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor also has 21 river bridges in Gujarat, of which 14 have been completed so far.



Construction of the Mumbai-Ahmedabad bullet train line underway at a Thane village. *Deepak Joshi*

SEVENTH SO FAR IN GUJARAT

Bullet train: Steel bridge launched over freight corridor in Vadodara

EXPRESS NEWS SERVICE

VADODARA, APRIL 9

WITH WORK on the Mumbai-Ahmedabad bullet train project underway, the National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Wednesday said that a 70-metre-long steel bridge crossing over the tracks of the Dedicated Freight Corridor Corporation of India (DFCCIL) on the outskirts of Vadodara is now complete.

The steel bridge is the seventh to be completed in the Gujarat stretch of the high-speed rail corridor project.

NHSRCL said that the launching of the bridge across two tracks of the freight corridor was completed on Tuesday, within 12 hours, with intermit-

tent traffic blocks.

The NHSRCL said, "These traffic blocks were essential to ensure the safety and precision of the bridge launch, which was carried out in phases to minimise disruption to freight services..."

Out of the total 28 steel bridges in the entire stretch between Mumbai and Ahmedabad, 17 will be located in Gujarat.

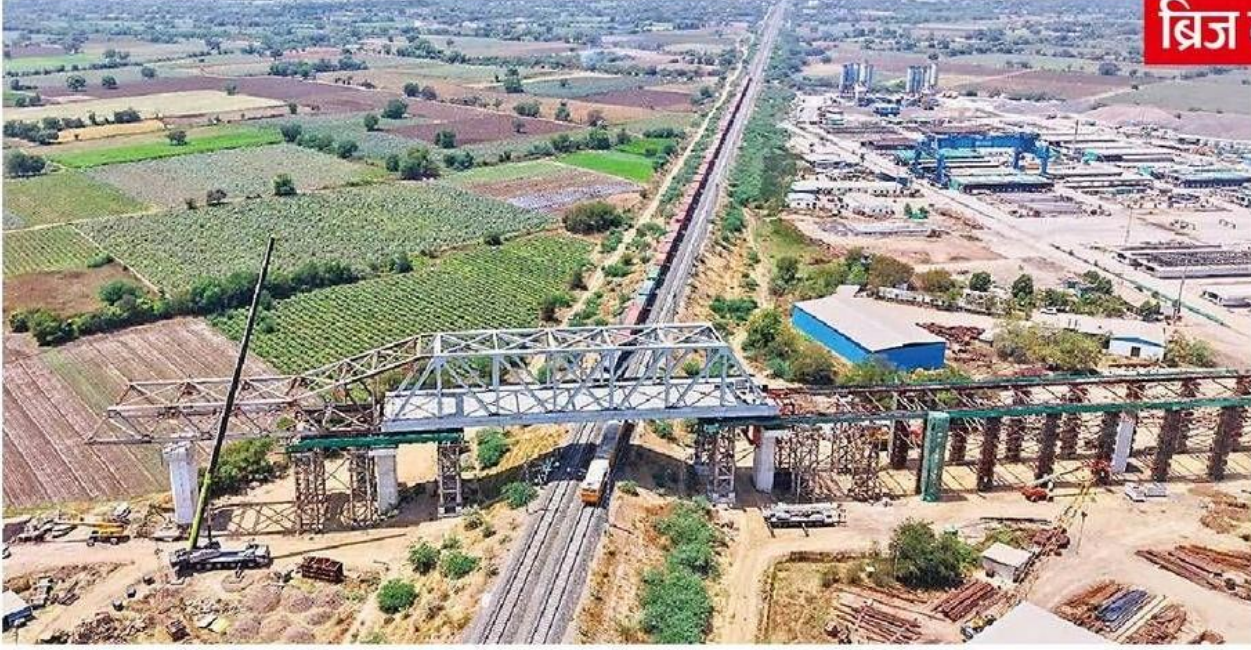
Calling it a "Make in India" steel bridge, the NHSRCL said, "The construction of these seven steel bridges has utilised over 10,000 metric tonnes of steel, providing a significant boost to the steel industries in India. This 674 MT steel bridge of 13 m height and 14 m width has been fabricated at the workshop in Durgapur, West Bengal, and was transported on trailers to the site for installation. The bridge is

launched using a 49-meter-long launching nose, which weighs around 204 metric tonnes."

The NHSRCL further said that the bridge fabrication utilised approximately 28,800 Tor-Shear Type High Strength (TTHS) bolts with C5 system (corrosion-resistant industrial category) painting and elastomeric bearings, all designed for a 100-year lifespan. "The steel bridge was assembled at the site at a height of 18 m from the ground on temporary trestles and was pulled with an automatic mechanism, comprising two semi-automatic jacks, each of capacity of 250 tonne, using mac-alloy bars," NHSRCL said.

The Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor also has 21 river bridges in Gujarat, of which 14 have been completed so far.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डीएफसी ट्रैक के ऊपर 70 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज तैयार, अब तक ऐसे सात पुल बन चुके



ब्रिज की खासियत

13

मीटर ऊंचा

14

मीटर चौड़ा

674

मीट्रिक टन वजन

10

हजार मीट्रिक टन स्टील

लगा

100

साल तक उपयोगी होगा

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के सूरत-वडोदरा सेक्शन पर डेडिकेटेड फ्रेट रेल कॉरिडोर (डीएफसीसीआईएल) ट्रैक के ऊपर 70 मीटर लंबा स्टील ब्रिज तैयार कर लिया गया। ब्रिज प्रोजेक्ट के लिए बनने वाले 28 स्टील ब्रिजों में से सातवां है। इसे 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत कोलकाता के दुर्गापुर में तैयार किया गया था। ब्रिज को वडोदरा के पास ट्रैक पर इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर लाया गया, जहां इसे 49 मीटर लंबी लॉन्चिंग नोज से स्थापित किया।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : वडोदरा के पास मेक इन इंडिया के तहत बनाया

डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 70 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. वडोदरा. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए मंगलवार को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के दो ट्रैक पर 70 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया। वडोदरा के पास मेक इन इंडिया के तहत यह ब्रिज बनाया गया। यह पूरे कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से गुजरात में परियोजना के लिए पूरा किया गया 7वां स्टील ब्रिज है। इन 7 स्टील ब्रिज

के निर्माण में 10,000 मीट्रिक टन से अधिक स्टील का उपयोग किया गया। इनसे भारत में इस्पात उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

वजन 204 मीट्रिक टन

13 मीटर ऊंचाई और 14 मीटर चौड़ाई वाले इस 674 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को कोलकाता में दुर्गापुर स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया। इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर रखकर साइट पर पहुंचाया गया। ब्रिज को 49 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज का उपयोग कर लॉन्च किया गया। इसका वजन लगभग 204 मीट्रिक टन है। ब्रिज के

निर्माण में लगभग 28800 टोर-शियर प्रकार के उच्च शक्ति (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जिनमें सी5 प्रणाली पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग्स शामिल हैं। इन्हें 100 वर्ष के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया और इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन थी। डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर ब्लॉक के साथ 12 घंटे के भीतर लॉन्चिंग पूरी की गई।

बुलेट ट्रेन: डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 70 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा

सूरत @ पत्रिका. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात में वडोदरा के पास 8 अप्रैल को दो डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 70 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया है। पूरे कॉरिडोर के लिए नियोजित 28 स्टील ब्रिज में से गुजरात में परियोजना के लिए पूरा किया गया सातवां स्टील ब्रिज है। सात स्टील ब्रिज के निर्माण में 10,000 मीट्रिक टन से अधिक स्टील का उपयोग किया गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता में दुर्गापुर स्थित वर्कशॉप में 13 मीटर ऊंचाई और 14 मीटर चौड़ाई वाले इस 674 मीट्रिक टन स्टील ब्रिज को तैयार किया गया है। इसे इंस्टालेशन के लिए ट्रेलरों पर साइट पर ले जाया गया था। ब्रिज को 49 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज़ का उपयोग करके लॉन्च किया गया है,



जिसका वजन लगभग 204 मीट्रिक टन है। ब्रिज के निर्माण में लगभग 28,800 टोर-शियर प्रकार उच्च शक्ति (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया है। इसमें सी5 प्रणाली पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग्स शामिल हैं, जिन्हें 100 वर्ष के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया और इसे मैक-मिश्र धातु बार का उपयोग करते हुए 2

अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन थी। डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर इंटरमिटेन्ट ब्लॉक के साथ 12 घंटे के भीतर लॉन्चिंग पूरी की गई।

ब्रिज लॉन्चिंग की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक ब्लॉक्स आवश्यक हैं जिसे माल दुलाई सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से किया गया है।

बुलेट ट्रेन के लिए 70 मीटर लंबे मेक इन इंडिया स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा

● अहमदाबाद/ राज न्यूज नेटवर्क

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 70 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया है। एनएचएसआरसीएल के अनुसार परियोजना के लिए सात स्टील ब्रिज का निर्माण किया जा चुका है जिसमें 10,000 टन स्टील का उपयोग किया गया है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए बुधवार वडोदरा के पास दो डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 70 मीटर लंबा स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया। यह पूरे कॉरिडोर के लिए नियोजित 28 स्टील ब्रिज में से गुजरात में परियोजना के लिए पूरा किया गया सातवाँ स्टील ब्रिज है। इन सात स्टील ब्रिज के निर्माण में 10,000 टन से अधिक स्टील का उपयोग किया गया है, जिससे भारत में इस्पात उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। 13 मीटर ऊंचाई और 14 मीटर चौड़ाई वाले इस 674 टन स्टील ब्रिज को कोलकाता में दुर्गापुर स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया है।

ब्रिज का वजन है लगभग 204 टन

ब्रिज को 49 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज का उपयोग करके लॉन्च किया गया है, जिसका वजन लगभग 204 टन है। ब्रिज के निर्माण में लगभग 28800 टोर-शियर प्रकार उच्च शक्ति (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया, जिनमें सी5 प्रणाली पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग्स शामिल हैं, जिन्हें 100 वर्ष के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया।

Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project reaches milestone

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचा टप्पा पार

बडोद्यात ७० मीटर लांबीचा 'मेक इन इंडिया'
स्टील पूल यशस्वीरीत्या लाँच

प्रशांत सिनकर

ठाणे : मुंबई-ठाणे पालघर जिल्ह्यातून पुढे गुजरात राज्यात धावणाऱ्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पात आणखी एक महत्त्वपूर्ण टप्पा पार करत, वडोदरा (गुजरात) येथील दोन डीएफसीसीआयएल ट्रॅकवर ७० मीटर लांबीचा 'मेक इन इंडिया' स्टील पूल यशस्वीरीत्या



लाँच करण्यात आला. हा पूल प्रकल्पासाठी पूर्ण झालेल्या २८ नियोजित स्टील पूलांपैकी सातवा असून, आतापर्यंत एकूण १० हजार मेट्रिक टनांहून अधिक स्टीलचा वापर या पूलांच्या निर्मितीसाठी झाला आहे. यामुळे देशातील स्टील उद्योगाला मोठी चालना मिळणार आहे. १३ मीटर उंच, १४ मीटर रुंद आणि ६७४ मेट्रिक टन वजन असलेला हा पूल कोलकात्याजवळील दुर्गापूर येथील कार्यशाळेत तयार करण्यात आला. त्याची स्थापना साइटवर ट्रेलरद्वारे वाहून नेऊन करण्यात आली. पूल ४९ मीटर लांबीच्या, सुमारे २०४ मेट्रिक टन वजनाच्या लॉचिंग नोजच्या सहाय्याने लाँच करण्यात आला. या पुलाच्या निर्मितीत २८ हजार ८०० उच्च ताकदीचे टॉर-शियर प्रकार TTHS बोल्ट्स, सी-५ सिस्टम पेंटिंग, तसेच इलास्टोमॅरिक बेअरिंग्स यांचा समावेश करण्यात आला असून, हे सर्व घटक १०० वर्षांच्या आयुष्यासाठी डिझाइन केलेले आहेत. हा पूल १८ मीटर उंच तात्पुरत्या ट्रेसलसवर जमिनीपासून उभा करून असेंबल करण्यात आला होता. लॉचिंग दरम्यान, २५० टन क्षमतेच्या दोन सेमी-ऑटोमॅटिक जॅकसह मॅक-अलॉय बारच्या मदतीने पुलाला खेचण्यात आले. प्रक्षेपणाचे काम केवळ १२ तासांत पूर्ण करण्यात आले. यासाठी DFCC ट्रॅकवर वाहतूक ब्लॉक घेण्यात आला होता, जे मालवाहतूक सेवांमध्ये किमान व्यत्यय ठेवण्यासाठी नियोजित पद्धतीने केल जात.

70-meter long 'Make in India' steel bridge ready on freight rail corridor near Vadodara for Mumbai-Ahmedabad bullet train project

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે વડોદરા પાસે ફ્રેઈટ રેલ કોરિડોર પર 70 મીટર લાંબો 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજ તૈયાર



મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ હેઠળ ગુજરાતમાં સુરત-વડોદરા સેક્શન નજીક ફ્રેઈટ રેલ કોરિડોર ટ્રેક પર 70 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ સ્થાપિત કરાયો છે. આ બ્રિજ વડોદરાથી 5 કિલોમીટર દૂર ખાલીપુર પાસે બનાવાયો છે. લોન્ચ પ્રક્રિયા દરમિયાન ટ્રાફિક બ્લોકનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો, જેથી માલવાહકની સેવાઓમાં ઓછામાં ઓછો વિશેષ પડ્યો હતો અને 12 ફલાકમાં કામગીરી પૂરી કરાઈ હતી. વડોદરાથી 5 કિમી દૂર ખાલીપુર નજીકના ટ્રેક પર ઈન્સ્ટોલેશન માટે પુલને ટ્રેલરમાં સાર્ટપ પર લાવવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં તેને 49 મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનો ઉપયોગ કરીને ઈન્સ્ટોલ કરવામાં આવ્યો હતો. આ પુલ 13 મીટર ઊંચો અને 14 મીટર પહોળો છે અને તેનું કુલ વજન 674 મેટ્રિક ટન છે.

A 70-meter steel bridge was erected 18 meters high above the railway freight corridor track, 5 km from Vadodara.

નવસર્જન • રેલ કોરિડોરે 10 હજાર મેટ્રિક ટન સ્ટીલથી 7 સ્ટીલ પુલ બનાવ્યા વડોદરાથી 5 કિ.મી દૂર રેલવે ફેટ કોરિડોર ટ્રેકથી 18 મીટર ઊંચે 70 મીટરનો સ્ટીલ બ્રિજ સ્થપાયો 13 મીટર ઊંચો, 14 મીટર પહોળો બ્રિજ ઈન્સ્ટોલ કરવામાં 12 કલાક લાગ્યા
ટ્રાન્સપોર્ટ રિપોર્ટર | વડોદરા

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ફેટ રેલ કોરિડોર પર 70 મીટર લાંબો 'મેક ઈન ઈન્ડિયા' સ્ટીલ બ્રિજનું નિર્માણ કામ પૂર્ણ થયું હતું. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ હેઠળ વડોદરા સેક્શન નજીક ફેટ રેલ કોરિડોર ટ્રેક પર 70 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ સ્થાપિત કરાયો છે.

વડોદરાથી 5 કિમી દુર ખલીપુર પાસે બ્રિજ છે. લોન્ચ પ્રક્રિયા દરમિયાન ટ્રાફિક બ્લોકનો



ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો. જેથી માલવહનમાં વિક્ષેપ ઓછો પડે. 12 કલાકમાં કામગીરી પૂરી કરાઈ હતી.

28800 હાઈ ગ્રેડ ટીટીએચએસ બોલ્ટ થકી બ્રિજ લોન્ચ કરાયો હતો. બ્રિજ 100 વર્ષ સુધી ટકી રહે તેટલો

મજબૂત છે. આ પુલ 13 મીટર ઊંચો અને 14 મીટર પહોળો છે અને તેનું કુલ વજન 674 મેટ્રિક ટન છે. રેલ કોરિડોરે અત્યાર સુધીમાં 10 હજાર મેટ્રિક ટન સ્ટીલથી 7 સ્ટીલ પુલ બનાવ્યા છે,

Bullet Train Project: Work on the track of the dedicated freight corridor

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ: ડેડિકેટેડ ફ્રેઈટકોરિડોરના ટ્રેક પર કામગીરી શહેર નજીક ખલીપુર પાસે ૭૦ મીટર લાંબા સ્ટિલના પુલને લોન્ચ કરાયો

૧૦ હજાર મેટ્રિકટનના સ્ટિલથી બનાવાયેલા સાત સ્ટિલના પુલ લોન્ચ કરાયા

। વડોદરા ।

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે શહેર નજીક ખલીપુર પાસે તા.૮મી એપ્રિલના રોજ બે ડીએફસી (ડેડિકેટેડ ફ્રેઈટ કોરિડોર)ટ્રેક પર ૭૦ મીટર લાંબા સ્ટિલના બિજ સફળતાપૂર્વક લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ વચ્ચેના બુલેટ ટ્રેનના સંપૂર્ણ કોરિડોર પર ૨૮ સ્ટિલના પુલ લોન્ચ કરવામાં આવનાર છે. જેમાં ગુજરાત રાજ્યમાં આ પૈકી સાતમાં પુલ જે ખલીપુર પાસે મંગળવારે લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. આ સાત સ્ટિલના પુલોના નિર્માણમાં ૧૦ હજાર મેટ્રિક ટનથી વધુ સ્ટિલનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો છે. જે ભારતમાં સ્ટિલ ઉદ્યોગોને નોંધપાત્ર પ્રોત્સાહન આપશે.

૧૩ મીટર ઊંચો અને ૧૪ મીટર પહોળો ૬૭૪ મેટ્રિક ટનનો સ્ટિલ બિજ કોલકત્તાના દુર્ગાપુરના વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવ્યો હતો. તેના ઈન્સ્ટોલેશન માટે ટ્રેલર પર સ્થળ પર લઈ જવામાં આવ્યો હતો. આ પુલ ૪૯ મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનો ઉપયોગ કરીને શરૂ કરવામાં આવે છે. જેનું વજન આશરે ૨૦૪

રાજ્યમાં ઊભા કરાયેલા સાત સ્ટિલબિજ

સ્થળ	સ્ટિલના પુલની લંબાઈ	પુલનું વજન મેટ્રિકટનમાં
૧ નેશનલ હાઇવે સુરત પર	૭૦	૬૭૩
૨, નર્ડિયાદ નજીક	૧૦૦	૧૪૮૬
૩, દિલ્હી-મુંબઈ એક્સપ્રેસ હાઇવે વડોદરા નજીક	૨૩૦	૪૩૯૭
૪, સેલવાસ નજીક	૧૦૦	૧૪૬૪
૫, બાજવા-છાયાપુરી (વેસ્ટર્ન રેલવે લાઇન પર)	૬૦	૬૪૫
૬, સુરત (બે DFCC ટ્રેક અને બે વેસ્ટર્ન લાઇન પર)	૧૬૦	૧૪૩૨
૭.ખલીપુર પાસે (બે DFCC લાઇન પર)	૭૦	૬૭૪

મેટ્રિક ટન છે. પુલના ડેબિકેશનમાં લગભગ ૨૮,૮૦૦ નંગ ટોર શિયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ (ટીટીએસએસ) બોલ્ટ્સનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો છે. જેમાં સી-પ્રકારના પેઈન્ટિંગ અને ઈલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સ પણ છે. જે ૧૦૦ વર્ષના જીવનકાળ માટે ડિઝાઇન કરવામાં આયો છે. આ સ્ટિલનો પુલ સાઈટ પર ૧૮ મીટર ઊંચાઈએ ભૂમિથી એસેમ્બલ કરવામાં આવ્યો હતો. તેમજ તાત્કાલિક ટ્રેસટલેસ પર અને ઓટોમેટિક મિકેનિઝમથી બે હાફ

ઓટોમેટિક જેક્સ (દરેકની ક્ષમતા ૨૫૦ ટન)નો ઉપયોગ કરીને મેક અલોય બાદ દ્વારા ખેંચવામાં આવ્યો છે.

ડીએફસીસી ટ્રેક પર સમયાંતરે બ્લોકસ સાથે લોન્ચિંગનું કામ ૧૨ કલાકમાં પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું હતું. પુલ લોન્ચિંગની સલામતી અને ચોકસાઈ સુનિશ્ચિત કરવા માટે ટ્રાફિક બ્લોકસ જરૂરી છે. જે માલવાહક સેવાઓમાં વિક્ષેપ ઘટાડવા માટે તબક્કાવાર રીતે કરવામાં આવે છે.

Mumbai-Ahmedabad bullet train project gains momentum



मुंबई : -'मेक इन इंडिया' स्टील पूल नुकताच यशस्वीपणे बसविण्यात आला.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाला गती

मुंबई, ता. १० : पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना वेग आला असून, या प्रकल्पासाठी वडोदराजवळील डीएफसीसीआयएल ट्रॅक्टर ७० मीटर लांबीचा 'मेक इन इंडिया' स्टील पूल नुकताच यशस्वीपणे लॉन्च करण्यात आला आहे.

गुजरातमध्ये उभारण्यात आलेला हा सातवा स्टील पूल असून, संपूर्ण बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरसाठी एकूण २८ स्टील पूल उभारण्यात येणार आहेत. आतापर्यंत तयार झालेल्या सात पुलांमध्ये एकत्रितपणे १० हजार

मेट्रिक टनांहून अधिक स्टीलचा वापर करण्यात आला आहे. यामुळे देशातील स्टील उद्योगाला मोठे बळ मिळाल्याचे पाहायला मिळत आहे. या पुलाची लांबी ७० मीटर, रुंदी १४ मीटर असून, उंची १३ मीटर इतकी आहे. कोलकात्यातील दुर्गापूर येथील कार्यशाळेत हा ६७४ मेट्रिक टन वजनाचा पूल तयार करण्यात आला आहे. पूल ट्रॅलरच्या सहाय्याने साइटवर आणून, ४९ मीटर लांबीच्या लॉन्चिंग नोजच्या मदतीने (ज्याचे वजन २०४ मेट्रिक टन आहे) तो यशस्वीरीत्या ट्रॅक्टर बसवण्यात आला.

Mumbai-Ahmedabad bullet train project gains momentum

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना गती गुजरातमध्ये बडोदाजवळ ७० मीटर लांबीचा 'मेक इन इंडिया' स्टील पूल बसवला

सकाळ वृत्तसेवा

मुंबई, ता. १० : पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या महत्त्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना वेग आला असून, या प्रकल्पासाठी बडोदाजवळील डीएफसीसी आयएल ट्रॅकवर ७० मीटर लांबीचा 'मेक इन इंडिया' स्टील पूल नुकताच यशस्वीपणे लॉन्च करण्यात आला आहे.

गुजरातमध्ये उभारण्यात आलेला हा सातवा स्टील पूल असून, संपूर्ण बुलेट ट्रेन कॉरिडोरसाठी एकूण २८ स्टील पूल उभारण्यात येणार आहेत. आतापर्यंत तयार झालेल्या सात

पुलांमध्ये एकत्रितपणे १० हजार मेट्रिक टनांहून अधिक स्टीलचा वापर करण्यात आला आहे. यामुळे देशातील स्टील उद्योगाला मोठे बळ मिळाल्याचे पाहायला मिळत आहे. या पुलाची लांबी ७० मीटर, रुंदी १४ मीटर असून, उंची १३ मीटर इतकी आहे. कोलकात्यातील दुर्गापूर येथील कार्यशाळेत हा ६७४ मेट्रिक टन वजनाचा पूल तयार करण्यात आला आहे.

पूल ट्रेलरच्या सहाय्याने साइटवर आणून, ४९ मीटर लांबीच्या लॉन्चिंग नोजच्या मदतीने (ज्याचे वजन २०४ मेट्रिक टन आहे) तो यशस्वीरीत्या ट्रॅकवर बसवण्यात आला.



मुंबई : बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत बडोदाजवळ स्टील पूल बसवण्यात आला आहे.

१२ तासांत उभारणी

१ सुमारे २८ हजार ८०० उच्च ताकदीचे टॉर-शियर टीटीएचएस बोल्ट्स वापरण्यात आले. सी ५ ग्रेड पेंटिंग, इलास्टोमेरिक बेअरिंग्स यांसारख्या आधुनिक तंत्रज्ञानाचा वापर करून हा पूल तयार करण्यात आला असून, त्याचे आयुष्य १०० वर्षांपर्यंत आहे.

२ हा स्टील पूल १८ मीटर उंच तात्पुरत्या ट्रेसल्सवर उभा करून जमिनीपासून असेंबल करण्यात आला. डीएफसीसीच्या ट्रॅकवर मर्यादित वेळेत ब्लॉक घेत केवळ १२ तासांत हा पूल यशस्वीरीत्या बसवण्यात आला.